शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

MISSION SHIKSHAN SAMVAD

सृजन बालगीत

शैक्षिक बाल गीतों का संकलन

रविवार, 06.06.2021

मिशन मिशन संवाद का व्यांजलि

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

काव्यांजलि
दैनिक सृजन टीम

9458278429

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 38 दिनांक- 06.06.2021, रविवार

गुड्डा-गुड़िया

मेरे गुड्डा-गुड़िया बहुत प्यारे,
रोज मेरे संग में खेलते हैं।
जब मैं रात को सो जाती हूँ,
मेरे सपने में भी आतें हैं।।
आज मैं उनकी सगाई करूँगी,
पकवान खूब बनाऊँगी।
लॉकडाउन के खुलने पर,
उनकी शादी भी रचाऊँगी।।

शादी में आप सब भी आना,
बढ़िया सी दावत खा जाना।
अच्छे-अच्छे उपहार देकर,
दोनों को आशीर्वाद दे जाना।।

रचना- माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
वि० क्षेत्र- सरधना, मेरठ

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 39 दिनांक-06.06.2021, रविवार

दूध

दूध होता है सम्पूर्ण आहार,
सुबह-शाम पियो दो बार।
गिलास भर कर देती माँ,
गट-गट करके पीते हम।।

हड्डी ये करता मजबूत,
उछल-कूद करते हैं हम।
दाँत भी होते हैं मजबूत ,
कच-कच गाजर खाते हम।।

दही, लस्सी और पनीर,
और बनती है इससे खीर।
दूध में होता है प्रोटीन,
इसे पीने के बनो शौकीन।।

रचना-
रचना रानी शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- नारंगपुर
वि० क्षेत्र- किला परीक्षितगढ़, मेरठ

किसी भी सुझाव, शिकायत के लिए 9458278429 पर व्हाट्सएप करें..

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 40 दिनांक- रविवार, 06/06/2021

मेरी मम्मी

रोज़ सवेरे सबसे पहले,
मेरी मम्मी उठ जाती।
चाय-नाश्ता देकर सबको,
घर-भर का काम निपटाती।।

कभी ना फरमाइश करती,
कभी ना नखरे दिखलाती।
चोट अगर लग जाए मुझको,
बड़े प्यार से सहलाती।।

रचना-

स्नेहलता (स०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 41 दिनांक- 06.06.2021रविवार

झण्डा मेरे देश का

तीन रंगों का बना है सुन्दर,
झण्डा मेरे देश का।
सबसे ऊपर रंग है केसरिया,
जो प्रतीक बलिदान का।।

बीच में शान्ति का रंग है सफ़ेद,
संग नीला चक्र प्रतीक धर्मचक्र का।
अन्त में समृद्धि का रंग है हरा,
जिनसे मिल बना तिरंगा मेरे देश का।।

रचना
सुप्रिया सिंह (स0 अ0)
कम्पोजिट विद्यालय बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर।

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 42 दिनांक- रविवार, 06/06/2021

सुन्दरता

सुन्दरता होती है वह
जो सूरज की तरह रोशन करती है।
सुन्दरता होती है वह,
जो फूलों की तरह खिलती है।।

सुन्दरता होती है वह,
जो चाँद की तरह चमकती है।
सुन्दरता होती है वह,
जो तितली की तरह उड़ती है।।

रचना
प्रकृति वशिष्ठ
कक्षा-5
के०वी०पी०एस०
परीक्षितगढ़, मेरठ

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 43 दिनांक- रविवार, 06/06/2021

मोर

देखो-देखो मच गया शोर,
आया है जंगल से मोर।
रंग-बिरंगे पंखों वाला,
सुन्दर नाच दिखाता मोर।।

हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर,
कार्तिकेय का वाहन मोर।
ऊँचा उड़ नहीं पाता है,
पर तेज दौड़ सकता है मोर।।

रचना-
भावना शर्मा (प्र०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 44 दिनांक- 06.06.2021, रविवार

व्यसन

गुटका, बीड़ी, सिगरेट, शराब,
सेहत को करती हैं खराब।
इनसे अगर हाथ मिलाओगे,
जीवन भर पछताओगे।।

मानव जीवन मिलता एक बार,
पुनः नहीं मिल पायेगा।
व्यसन में गर इसे गवाया,
पछताता रह जायेगा।।

रचना-
मोना शर्मा (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय पूठी
वि० क्षेत्र- किला परीक्षितगढ़, मेरठ

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 45 दिनांक- रविवार 06/06/2021

मोर

जंगल में हमने देखा मोर,
पिआओ-पिआओ का करता शोर।
सुन्दर-सजीले हैं उसके पंख,
नीला- हरा है उसका रंग।।

जब बादल आते उमड़-घुमड़,
तब नाचे वह पंख फैलाकर।
राष्ट्रीय पक्षी है हमारा मोर,
पक्षियों का राजा भी है मोर।।

लम्बी-नुकीली होती इसकी चोंच,
नीलकण्ठ भी कहलाए मोर।
बीज, अनाज, कीड़े यह खाता,
फिर खुशी से झूमता-गाता।

रचना-
रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 46 दिनांक-06/06/2021 रविवार

बादल काका

बादल काका उमड़-घुमड़ कर,
काले-पीले रंग दिखाते।
कभी बरसते, कभी गरजते,
धरती गीली हैं कर जाते।।

अजब-अनोखे रूप बनाकर,
सबके मन को हैं हरषाते।
खेतों की प्यासी फसलों को,
जीवन बूँदें ये दे जाते।।

रचना

शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

किसी भी सुझाव, शिकायत के लिए 9458278429 पर व्हाट्सएप करें..

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 47 दिनांक-रविवार, 06/06/2021

चिड़िया रानी

चिड़िया रानी, सुबह सवेरे,
कहो कहाँ से आयी हो?
कितने सुन्दर पंख तुम्हारे,
ये रंग कहाँ से लायी हो?

पेड़ों की ऊँची डाली पर,
बैठ कर मीठे फल खाती।
चीं-चीं, चूँ-चूँ शोर मचाती,
दूर गगन में उड़ जाती।।

रचना-
प्रतिभा यादव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
पुवॉरका, सहारनपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 48 दिनांक- 06-06-2021

चूहा

मोटा-मोटा चूहा,
लम्बी सी है दुम।
बिल्ली को जब देखे,
हो जाता वहाँ से गुम।।

घर का हर सामान,
कुतर जाते हो तुम।
पिंजड़ा रख तुमको पकड़े,
बिल में छिप जाते तुम।।

रचना

शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी,
क्षेत्र- मानिकपुर, जनपद- चित्रकूट

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 49 दिनांक- 06.06.2021 रविवार

मेरी नानी

मेरी नानी प्यारी-प्यारी,
लाड़ मुझे वो करती हैं।
लगा के चश्मा आँखों पर,
सबको देखा करती हैं।।

जब भी जाता उनसे मिलने,
गोद में अपनी बिठाती हैं।
लड्डू, समोसे और जलेबी,
जी भर मुझे खिलाती हैं।।

रचना -

डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)

मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1

सिकंदरपुर कर्ण - उन्नाव

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 50 दिनांक- 06/06/2021 रविवार

हाथी राजा

हाथी की मस्तानी चाल,
खूब मचाता है ये धमाल।

सूँड इसकी लम्बी होती,
बड़े काम में है ये आती॥

गन्ना, केला ये खूब खाता,
पीठ पर बिठाकर सैर कराता।

हम सबको ये खूब लुभाता,
झूम-झूम कर हमें हँसाता॥

रचना

शिप्रा सिंह (स०अ०)
उ०प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 51 दिनांक- रविवार 06..06.2021

मेरी पुस्तक

मेरी पुस्तक सबसे प्यारी,
सबसे अच्छी सबसे न्यारी।
अच्छी बात है हमें सिखाती,
भले- बुरे का ज्ञान कराती।।

नैतिकता का पाठ पढ़ाती,
जीवन का हर सत्य बताती।
पढ़कर पुस्तकें अनमोल,
मीठे हो जाते हम सब के बोल।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स० अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 52 दिनांक- 06/06/2021 रविवार

बारिश और हम

बारिश आते ही हम,
लेकर छाता दौडे।
चलो मम्मी से बनवाएँ,
चाय और पकौड़े।।

आओ मिलकर खूब करें,
हम बारिश मे मस्ती।
चलो बनाकर रेस लगाएँ,
इक कागज़ की कश्ती।।

रचना
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

किसी भी सुझाव, शिकायत के लिए 9458278429 पर व्हाट्सएप करें..

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 53 दिनांक- 06.6.2021रविवार

साइकिल

पापा मुझे दिला दो
साइकिल,
साइकिल से जाऊँगा।
पढ़कर के वापस घर
अपने,
साइकिल से आऊँगा।।

पहले मैं कैंची सीखूँगा,
फिर सीखूँगा गद्दी।
उसको रखूँगा सँभालकर,
कभी न होगी रद्दी॥

रामचन्द्र सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० जगजीवनपुर-2
ऐरायाँ, फतेहपुर

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 54 दिनांक- रविवार, 6 जून 2021

बेटी

बेटी के प्यार को तुम कभी आजमाना नहीं,
वह एक सुन्दर फूल है उसे कभी रुलाना नहीं।
पिता का तो गुमान होती है बेटी,
जीवन का अरमान होती है बेटी।।

उसकी आँखें कभी नम ना होने देना,
खुशियाँ कभी कम ना होने देना।।
अँगुली पकड़कर जिसको चलना सिखाया,
फिर उसी लाडली को डोली में बिठाया।।

बहुत छोटा सा सफर होता है बेटी के साथ,
बहुत कम वक़्त के लिए होती हमारे पास।
असीम दुलार पाने की हकदार है बेटी,
समझो भगवान का आशीर्वाद है बेटी।।

रचना-
कु० मीनाक्षी (छात्रा) कक्षा- 8
रा० उ० प्रा० वि० सिमल्ट
कर्णप्रयाग, चमोली (उत्तराखण्ड)

किसी भी सुझाव, शिकायत के लिए 9458278429 पर व्हाट्सएप करें..

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 55 दिनांक- 06-06-2021/रविवार

मेरा बस्ता

मेरा प्यारा बस्ता मुझसे कहता,
बहुत बुरा लगता घर पर रहना।
अब तो मन करता अपने विद्यालय में,
जाकर सुन्दर बस्तों से मिलना।।

तब मैं बस्ते को समझा कर कहता,
सुनले मेरे छुटकू, मेरे प्यारे बस्ते,
जब सुन्दर, स्वच्छ हवा बहेगी,
तब हम विद्यालय जायेंगे हँसते-गाते।।

रचना:-
किरण जोशी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० मैंखंडी मल्ली
कीर्ति नगर, टिहरी गढ़वाल

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 56 दिनांक- 06.06.2021, रविवार

मैं हूँ प्यारा-प्यारा बच्चा

मैं हूँ प्यारा-प्यारा बच्चा,
घर में हूँ मैं सबसे अच्छा।
मैं हूँ प्यारा-प्यारा बच्चा,
जग में हूँ मैं सबसे सच्चा।।

सबको खूब हँसाऊँ मैं,
हर-पल ही मुस्काऊँ मैं।
कभी-कभी छुप जाऊँ मैं,
सबको खूब छकाऊँ मैं।।

रचना

सुमन मौर्या (स०अ०)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 57 दिनांक- 06/06/2021 रविवार

राजधानी

आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ,
सुन्दर प्यारा स्थान देश में।
जहाँ शासन चलाने के लिए,
नेता मन्त्री बैठते अपने वेश में॥

हर एक देश व हर प्रदेश में,
उचित स्थान बनाये जाते हैं।
जो शासन तन्त्र प्रणाली के,
एक सुसज्जित केन्द्र होते हैं॥

नक्शे में देश, प्रदेश के केन्द्र,
पर होती है यह राजधानी।
क्षेत्र का विकसित नगर होता,
जिसकी होती अमर कहानी॥

रचनाकार:
राजबहादुर यादव (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8) शुदनीपुर
मड़ियाहूं ,जौनपुर

किसी भी सुझाव, शिकायत के लिए 9458278429 पर व्हाट्सएप करें..

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 58 दिनांक-6.6.2021, रविवार

मेरी प्यारी गुड़िया

काले घुँघराले बालों वाली,
लाल टमाटर गालों वाली।
चलती है कैसे मतवाली,
झूमे जैसे तरु की डाली।।

ऐसे मन्द-मन्द मुस्काती,
जैसे कलियाँ खिल-खिल जाती।
गिरती फिर उठ दौड़ लगाती,
मम्मी को पीछे दौड़ाती।।

अजब-गजब के करे तमाशे,
सबको जाँचे सबको डाँटे।
सुनकर उसकी तोतली बानी,
खुश हो जाती दादी-नानी।।

रचना-
शुभा देवी (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- अमौली
अमौली, फतेहपुर

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 59 दिनांक- 06/06/2021 रविवार

रंगीन गुब्बारे

नीले, पीले,लाल, गुलाबी,
मैं लाया हुँ गुब्बारे सारे।
हवा भरकर तुम खेलों,
आसमान में तुम भेजों।।

रीना, मीना, तुम भी ले लो,
चुन्नू, मुन्नू को भी दो।
एक रुपया में एक मिलेगा,
पाँच रुपया के तुम ले लो।।

आशा और उमंग भरी है,
पवन भी अब संग चली है।
तारों को जमीं पर लाये,
इस धरा को जगमगाये।।

रचना
ऊषा रानी (स०अ०)
कम्पोजिट वि०खाता
वि०क्षे०मवाना, जनपद-मेरठ

किसी भी सुझाव, शिकायत के लिए 9458278429 पर व्हाट्सएप करें..

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

सृजन बालगीत

रविवार, 06.06.2021

रचनाकारों की सूची

38- माला सिंह, मेरठ
39- रचना रानी शर्मा, मेरठ
40- स्नेहलता, मेरठ
41- सुप्रिया सिंह, सीतापुर
42- प्रकृति वशिष्ठ (छात्रा), मेरठ
43- भावना शर्मा, मेरठ
44- मोना शर्मा, मेरठ
45- रूखसाना बानो, मिर्जापुर
46- शिखा वर्मा, सीतापुर
47- प्रतिभा यादव, सहारनपुर
48- शहनाज बानो, चित्रकूट
49- डॉ० नीतू शुक्ला, उन्नाव
50- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
51- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
52- ज्योति सागर, बागपत
53- रामचन्द्र सिंह, फतेहपुर
54- कु० मीनाक्षी (छात्रा), चमोली
55- किरण जोशी, टिहरी गढ़वाल
56- सुमन मौर्या, चन्दौली
57- राजबहादुर यादव, जौनपुर
58- शुभा देवी, फतेहपुर
59- ऊषा रानी, मेरठ

तकनीकी सहयोग

1- रीना, मेरठ
2- जितेन्द्र कुमार, बागपत
3- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन

काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम

Scanned with Cam